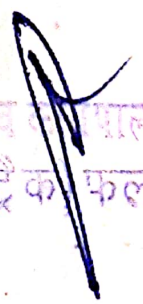


तारीख  
हुक्म

दान में था।  
 पूर्व में जो जवा जेरा किया गया वह  
 इस बाद में प्री. सं. ७ शारदा देवी के पत्र में  
 दिखी किया गया था। यदि ज. न. न पत्रकारान  
 समाज को लेकट दाया केरा नहीं किया जा सकला। अतः  
 उक्त दाया चलेने काबिल नहीं है। इसलिये कि अतीत  
 फरमानों। सोमनाथी के अग्रज पूर्व में जेरा दावे की  
 आदेशिका की प्रती च दाया की प्रती केश है।

अखिलता परामर्श की वदत मुनी जी  
 कदम पर भगत किया व पत्रावली का अवलोकन  
 किया। बाद भगत व अवलोकन प्रतिवादी अखिल  
 का प्रथमा फर ७/३ ॥ १९८ ~~२०१८~~ स्वीकार कि  
 जाकट वदी का बाद खारिज किया जाता है।  
 पत्रावली के सब सुमार्त एकल नम्बर से  
 एक एक एकल दाखिल फलत हो।

सहायक कलक्टर एवं सहायक कलक्टर  
 (फास्ट ट्रैक फलोदी)



8/19

9/19

पत्रावली पेश हुई । आज श्रीमान  
A.C.E. 19/11/19 साहब वीरे /  
अदालत पर 8 पेशी इतना की जाकर  
पत्रावली दिनांक 11/9/19 की पेश हो ।

प्रतिवादी अधिवक्ता उप.

वादी अधिवक्ता को न्यायालय

समक्ष के दौरान बार-बार रुक-रुक कर आवेग  
लाजवारी गई लेकिन वादी अधिवक्ता उपस्थित नहीं  
हुआ।

प्रतिवादी अधिवक्ता ने प्रथमतः पृष्ठ 11 पर  
पर अपनी बयान सुनाई । दौरान काद्यम वादी अधिवक्ता  
ने बताया की वादी द्वारा पूर्व में ही इसी न्यायालय  
में धातु बनाकर शहरदा वगैरा के नाम से एक दावा  
पेश किया गया था। जिसके ख. म. व सती पक्षकार  
वही है जो इस दावे में है। वादी द्वारा इस दावे में  
काद्यम मध्य अनुलोख भी वही है जो पूर्व में पेश